Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. बाघ परियोजना का उद्देश्य क्या है?

(अ) बाघों का वध
(ब) बाघों को चिड़ियाघर में रखना
(स) बाघों पर मूवी बनाना
(द) बाघों को शिकारियों से बचाना तथा संरक्षण करना

2. सिनकोना के वृक्ष कितनी वर्षा वाले क्षेत्र में पाए जाते हैं?

(अ) 70 से.मी.
(ब) 50 से.मी.
(स) 50 से.मी. से कम वर्षा
(द) 100 से.मी.

3. एक सींग वाला गैंडा निम्न में से किस राज्य में पाया जाता है?

(अ) सिक्किम
(ब) असम
(स) त्रिपुरा
(द) छत्तीसगढ़

4. वेदान थंगल राष्ट्रीय पार्क किस प्रांत में है?

(अ) कर्नाटक
(ब) आंध्र प्रदेश
(स) केरल
(द) तमिलनाडु

5. भारत में कौन-से जीव मंडल निचय विश्व के जीव मंडल निचयों के लिए गए हैं?

(अ) मानस
(ब) दिहांग-दिबांग
(स) नंदादेवी
(द) मन्नार की खाड़ी

6. हरियाणा के कुल क्षेत्र के कितने प्रतिशत भू-भाग पर वन हैं?

(अ) 3.6%
(ब) 3.8%
(स) 3.7%
(द) 3.9%

7. चंदन निम्नलिखित में से किसका उदाहरण है?

(अ) कंटीले वन
(ब) डेल्टाई वन
(स) पर्णपाती वन
(द) सदाहरित वन

8. निम्न में से जंगल आश्रय स्थल कौन-सा है?

(अ) दुधवा
(ब) गुडी
(स) बांदीपुर
(द) कन्हेरी

9. राष्ट्रीय वन नीति का उद्देश्य क्या है?

(अ) वनों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करना
(ब) सभी विकल्प सही हैं
(स) मृदा अपरदन को रोकना
(द) प्राकृतिक संस्कृति का संरक्षण करना

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. भारत में चीता का निम्न में से कौन-सा प्राकृतिक निवास स्थान है?

(अ) मध्य प्रदेश (ब) हिमालय क्षेत्र

(स) सुन्दर वन (द) सभी विकल्प सही हैं

रिक्त स्थान

11. भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में _____ तथा _____ पाई जाती है जो यहाँ की मुख्य वनस्पति है।

12. सिमलीपाल जीव मंडल निचय _____ राज्य में स्थित है।

सत्य/असत्य

13. दाचीगाम वन्य प्राणी अभयवन उत्तराखंड राज्य में स्थित है।

14. ऊष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वनों की मुख्य वृक्ष प्रजातियाँ साल, सागवान, बाँस तथा शीशम हैं।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. उष्ण कटिबंधीय वर्षा वनों के महत्त्वपूर्ण वृक्ष कौन-कौन से हैं?

16. भारत में कितनी प्रकार के पक्षी मिलते हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन शुष्क ऋतु में अपनी पत्तियाँ क्यों गिरा देते हैं?

18. भारत में पादपों तथा जीवों का वितरण किन तत्वों द्वारा निर्धारित होता है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. भारत में विभिन्न प्रकार की पाई जाने वाली वनस्पति के नाम बताएँ और अधिक ऊँचाई पर पाई जाने वाली वनस्पति का ब्यौरा दीजिए।

20. सदाबहार और पर्णपाती वन में अंतर कीजिए।

HOTS

21. वनों के क्षेत्र को बढ़ाना क्यों आवश्यक है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

1. **(द)** बाघों को शिकारियों से बचाना तथा संरक्षण करना
2. **(द)** सिनकोना के वृक्ष 100 से.मी. वर्षा वाले क्षेत्र में पाए जाते हैं। सिनकोना मुख्यत: दक्षिणी अमरीका में ऐंडीज पर्वत, पेरू तथा बोलीविया के 5,000 फुट अथवा इससे भी ऊँचे स्थानों में इनके जंगल पाए जाते हैं।
3. **(ब)** असम
4. **(द)** तमिलनाडु
5. **(द)** मन्नार की खाड़ी
6. **(ब)** 3.8%
7. **(स)** पर्णपाती वन
8. **(स)** बांदीपुर
9. **(ब)** सभी विकल्प सही हैं
10. **(द)** सभी विकल्प सही हैं
11. कंटीले वन, झाड़ियाँ
12. उड़ीसा
13. असत्य
14. सत्य
15. आबनूस, महोगानी एवं रोजवुड
16. 1200 प्रकार के
17. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन सामान्यत: 75 सेमी. से 200 सेमी. वर्षा वाले क्षेत्रों में पाए जाते हैं। वर्षा भी 4 महीनों तक ही सीमित रहती है। शुष्क ऋतु के प्रारंभ होते ही पर्णपाती वनों के वृक्ष अपनी पत्तियाँ गिराना प्रारम्भ कर देते हैं, जिससे लंबी और शुष्क ऋतु को सहन करने की क्षमता उनमें रहे और वे अपने को जीवित रख सकें। ये शुष्क ऋतु में 6 से लेकर 8 सप्ताह तक अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं। प्रत्येक जाति के वृक्षों का पतझड़ का समय अलग-अलग होता है।
18.
   i. **तापमान-** वनस्पति की विविधता तथा विशेषताएँ तापमान और वायु की नमी पर निर्भर करती है।
   ii. **सूर्य का प्रकाश-** प्रकाश अधिक समय तक मिलने के कारण वृक्ष गर्मी की ऋतु में जल्दी बढ़ते हैं।
   iii. **वर्षण-** अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में कम वर्षा वाले क्षेत्रों की अपेक्षा सघन वन पाये जाते हैं।
   iv. **मृदा-** विभिन्न स्थानों पर भिन्न-भिन्न प्रकार की मृदा पाई जाती है, जो विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों का आधार है।
   v. **भूभाग-** भूमि का वनस्पति का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। असमतल भूंभाग पर घास के मैदान तथा जंगल है, जिनमें विभिन्न वन्य प्राणियों को आश्रय मिलता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

19. भारत में पाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की वनस्पति इस प्रकार है:

i. उष्ण कटिबंधीय वर्षा वन
ii. उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन
iii. उष्ण कटिबंधीय कंटीले वन तथा झाड़ियाँ
iv. पर्वतीय वन
v. मैंग्रोव वन।

उच्च प्रदेशों की वनस्पतिः

i. पर्वतीय क्षेत्रों में तापमान की कमी तथा ऊँचाई के साथ-साथ प्राकृतिक वनस्पति में भी अंतर दिखाई देता है। वनस्पति में जिस प्रकार का अंतर हम उष्ण कटिबंधीय प्रदेशों से टुंड्रा की ओर देखते हैं उसी प्रकार को अंतर पर्वतीय भागों में ऊँचाई के साथ-साथ देखने को मिलता है।
ii. 1000 मी. से 2000 मी. तक की ऊँचाई वाले क्षेत्रों में आर्द्र शीतोष्ण कटिबंधीय वन पाए जाते हैं। इनमें चौड़ी पत्ती वाले ओक तथा चेस्टनट जैसे वृक्षों की प्रधानता होती है।
iii. 1500 से 3000 मी. की ऊँचाई के बीच शंकुधारी वृक्ष जैसे चीड़, देवदार, सिल्वर-फर, स्पूस, सीडर आदि पाए जाते हैं।
iv. ये वन प्रायः हिमालय की दक्षिणी ढलानों, दक्षिण और उत्तर-पूर्व भारत के अधिक ऊँचाई वाले भागों में पाए जाते हैं।
v. अधिक ऊँचाई पर प्रायः शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान पाए जाते हैं। प्रायः 3600 मी. से अधिक ऊँचाई पर शीतोष्ण कटिबंधीय वनों तथा घास के मैदानों का स्थान अल्पाइन वनस्पति ले लेती है। सिल्वर-फर, जूनिपर, पाइन व बर्च इन वनों के मुख्य वृक्ष हैं।
vi. इन वनों में प्रायः कश्मीरी, महामृग, चितरा हिरण, जंगली भेड़, तिब्बतीय बारहसिंघा, खरगोश, याक, हिम तेंदुआ, रीछ, गिलहरी, आईबैक्स, कहीं-कहीं लाल पांडा, घने बालों वाली भेड़ और बकरियाँ पाई जाती हैं।

20. सदाबहार और पर्णपाती वन में अंतर निम्नलिखित है:

सदाबहार वन	पर्णपाती वन
सदाबहार वन भारी वर्षा वाले प्रदेशों में पाए जाते हैं, जहाँ अल्पकालिक शुष्क मौसम के साथ 200 से०मी० से अधिक वर्षा होती है।	ये वन 70 से 200 से०मी० के बीच होने वाली वर्षा वाले स्थानों पर पाए जाते हैं। इन्हें मानसून वन भी कहते हैं।
इन वनों में पौधे अपने पत्ते वर्ष के अलग-अलग महीनों में गिराते हैं जिससे ये पूरे वर्ष हरे-भरे नजर आते हैं।	इन वनों में पौधे अपने पत्ते शुष्क गर्मी के मौसम में 6 से 8 सप्ताह के लिए गिरा देते हैं।
इन वनों में प्रायः पाने जाने वाले पशुओं में हाथी, बंदर, एक सींग वाले गैंडे और हिरण हैं।	इन वनों में प्रायः पाने जाने वाले पशुओं में शेर और बाघ हैं।
इन पशुओं के अतिरिक्त इन वनों में बहुत से पक्षी, चमगादड़, बिच्छु एवं घोंघे आदि पाए जाते हैं।	इन पशुओं के अतिरिक्त इन वनों में बहुत से पक्षी, छिपकली, साँप, कछुए आदि पाए जाते हैं।
ये वनों पश्चिमी घाट की ढलानों, लक्षद्वीप, अंडमान-निकोबार, असम के ऊपरी भागों, तटीय तमिलनाडु, पश्चिमी बंगाल, उड़ीसा एवं भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में पाए जाते हैं।	ये वन भारत के पूर्वी भागों, उत्तर-पूर्वी राज्यों, हिमालय के पास की पहाड़ियों, झारखंड, पश्चिम उड़ीसा, छत्तीसगढ़ तथा पूर्वी घाट के पूर्वी ढलानों, मध्य प्रदेश तथा बिहार में पाए जाते हैं।

21. भारत में वनों के क्षेत्रों को निम्नलिखित कारणों से बढ़ाना आवश्यक है-

i. भारत में वनों का कुल क्षेत्र (22.5%) है जो वांछनीय सीमा (33.3%) से बहुत कम है।
ii. पारितंत्र को बनाए रखने के लिए तथा कार्बनडाईऑक्साइड की मात्रा वायुमंडल में वांछनीय मात्रा तक रखने वे लिए वनों का विस्तार अधिक क्षेत्र पर होना चाहिए।
iii. वन वन्य प्राणियों को संरक्षण प्रदान करते हैं।
iv. वन अकाल की स्थिति से देश को बचाते हैं।
v. वनों से मरुस्थल का विस्तार हो सकता है तथा मृदा अपरदन रुकता हैं
vi. वन वायुमंडल से नमी आकर्षित कर वर्षा कराने में सहायक हैं।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES